Maharishi Aurobindo Subharti College & Hospital of Naturopathy & Yogic Sciences, Faculty of AYUSH
Swami Vivekanand Subharti University, Meerut

IN THE NEWS

2020-21

September 2020

सुभारती में वेबिनार आयोजित

मेरठ। स्वामी विवेकानंद सुभारती विश्वविद्यालय के महर्शि अरबिन्दों सुभारती कॉलेज एण्ड हॉस्पिटल ऑफ नेचुरौपेथी एण्ड यौगिक साइन्सेज कॉलेज द्वारा विश्व हृदय दिवस के अवसर पर हृदय रोग का योग व नेचुरौपेथी चिकित्सा से इलाज के विशय में वेबिनार का आयोजन हुआ। 400 से अधिक लोगों ने इस वेबिनार में पंजीकरण करते हुए इसका लाभ उठाया। वेबिनार में विश्व हृदय दिवस और हृदय रोगों के बारे में कॉलिज के प्राचार्य डीन आयुश डा. अभय एम शंकरगौडा ने कहा की पूरी दुनिया में लगभग 17.9 मिलियन लोग हृदय सम्बन्धी रोगों से मरते है, यह दुनियाभर की सारी मौतों का 31 प्रतिशत है। इन रोगों का मुख्य कारण तम्बाकू सेवन, धुम्रपान, शराब का सेवन, व्यायाम न करना, अस्वस्थ भोज्य पदार्थ तथा, मानसिक तनाव लेना जो अधिक रक्त चाप, डायबेटिज, मोटापा को बढावा से लोगो की मौत होती है। वेबिनार में कॉलिज के अध्यापक डा. ब्रज भूशण कुमार ने हृदय की धमनियों में अवरोध जो की हृदय अटेक का कारण बनता है। उसके बारे में बताते हुए प्राकृतिक चिकित्सा और योग से जीवनशैली, खान-पान, व्यायाम और योग चिकित्सा से इसके निवारण करने के तरीके बताएं।

विश्व हृदय दिवस पर नेचुरौपेथी कॉलिज में वेबिनार आयोजित

शाह टाइम्स संवाददाता

मेरठ। स्वामी विवेकानंद सुभारती विश्वविद्यालय के महर्षि अरबिन्दों सुभारती कॉलेज एण्ड हॉस्पिटल ऑफ नेचुरौपेथी एण्ड यौगिक साइन्सेज कॉलेज द्वारा 'विश्व हृदय दिवस' के अवसर पर हृदय रोग का योग व नेचुरौपेथी चिकित्सा से इलाज के विषय में वेबिनार का आयोजन हुआ। वेबिनार का संचालन सुभारती विश्वविद्यालय के वेबिनार रूम से किया गया।

400 से अधिक लोगों ने इस वेबिनार में पंजीकरण करते हुए इसका लाभ उठाया। वेबिनार में 'विश्व हृदय दिवस' और हृदय रोगों के बारे में कॉलिज के प्राचार्य डीन आयुश डा. अभय एम शंकरगौडा ने कहा की पूरी दुनिया में लगभग 17.9 मिलियन लोग हृदय सम्बन्धी रोगों से मरते है, यह दुनियाभर की सारी मौतों का 31 प्रतिशत है। इन रोगों का मुख्य कारण तम्बाकू सेवन, धुम्रपान, शराब का सेवन, व्यायाम न करना, अस्वस्थ भोज्य पदार्थ तथा मानसिक तनाव लेना जो अधिक रक्त चाप, डायबेटिज, मोटापा को बढ़ावा से लोगों की मौत होती है। वेबिनार में कॉलिज के अध्यापक डा. ब्रज भूषण कुमार ने हृदय की धमनियों में अवरोध जो की हृदय अटैक का कारण बनता है उसके बारे में बताते हुये प्राकृतिक चिकित्सा और योग से जीवनशैली, खान-पान, व्यायाम और योग चिकित्सा से इसके निवारण करने के तरीके बतायें।

अंत में डा. अभय एम शंकरगौडा ने सभी से आग्रह किया कि अपने तथा समाज में दिल की बीमारियों को रोकने हेतु प्राकृतिक तथा योग चिकित्सा को अपनाकर हृदय रोगो से मुक्ति पा सकतें है। इस दौरान उन्होंने नेचुरोपैथी कॉलेज में संचालित बीएनवाईएस एवं अन्य कोर्स के बारे में विस्तार से जानकारी दी। उन्होनें खासकर कोविड-19 में हृदय रोगियों को अधिक सावधान रहने की आवश्यकता पर बल दिया।

वेबिनार में हृदय रोगों से बचाव पर विचार मंथन



मेरठ, लोकसत्य

स्वामी विवेकानंद सुभारती विश्वविद्यालय के महर्षि अरबिन्दों सुभारती कॉलेज एण्ड हॉस्पिटल ऑफ नेचुरौपेथी एण्ड यौगिक साइन्सेज कॉलेज द्वारा 'विश्व हृदय दिवस' के अवसर पर हृदय रोग का योग व नेचुरौपेथी चिकित्सा से इलाज के विषय में वेबिनार का आयोजन हुआ।

वेबिनार का संचालन सुभारती विश्वविद्यालय के वेबिनार रुम से किया गया। 400 से अधिक लोगों ने इस वेबिनार में पंजीकरण करते हुये इसका लाभ उठाया। वेबिनार में 'विश्व हृदय दिवस' और हृदय रोगों के बारे में कॉलिज के प्राचार्य डीन आयुष डा0 अभय एम शंकरगौडा ने कहा की पूरी दुनिया में लगभग 17.9 मिलियन लोग हृदय सम्बन्धी रोगों से मरते है, यह दुनियाभर की सारी मौतों का 31 प्रतिशत है। इन रोगो का मुख्य कारण तम्बाकू सेवन, धुम्रपान, शराब का सेवन, व्यायाम न करना, अस्वस्थ भोज्य पदार्थ तथा, मानसिक तनाव लेना जो अधिक रक्त चाप, डायबेटिज, मोटापा को बढावा से लोगो की मौत होती है। वेबिनार में कॉलिज के अध्यापक डा. ब्रज भूषण कुमार ने हृदय की धमनियों में अवरोध जो की हृदय अटेक का कारण बनता है।

माई सिटी रिपोर्टर

मेरठ। विश्व हृदय दिवस पर शहर में कई कार्यक्रम आयोजित किए गए। चिकित्सकों ने लोगों को नियमित व्यायाम की सलाह दी। तनाव और नशे को दिल का दुश्मन बताया।

स्वामी विवेकानंद सुभारती विवि के महर्षि अरबिंदो कॉलेज की ओर से वेबिनार का आयोजन किया गया। प्राचार्य डॉ. अभय एम शंकर गौड़ा ने कहा की पूरी दुनिया में लगभग 17.9 मिलियन लोग हृदय संबंधी रोगों से मरते हैं। यह दुनियाभर की मौतों का 31 प्रतिशत है। इन रोगों का मुख्य कारण तंबाकू सेवन, धूम्रपान, शराब का सेवन, व्यायाम न करना, अस्वस्थ भोज्य पदार्थ तथा मानसिक तनाव लेना है, जो अधिक रक्त चाप, डायबिटीज और मोटापा को बढ़ावा देता है।



सुभारती में विचार रखते वक्ता।

डॉ. ब्रजभूषण कुमार ने हृदय की धमनियों में अवरोध के बारे में बताया। साथ ही प्राकृतिक चिकित्सा और योग से जीवनशैली, खानपान, व्यायाम और योग चिकित्सा से इसके निवारण के तरीके बताए।

Maharishi Aurobindo Subharti College & Hospital of Naturopathy & Yogic Sciences, Faculty of AYUSH
Swami Vivekanand Subharti University, Meerut

IN THE NEWS

Maharishi Aurobindo Subharti College & Hospital of Naturopathy & Yogic Sciences, Faculty of AYUSH
Swami Vivekanand Subharti University, Meerut

IN THE NEWS

सुभारती विश्वविद्यालय में हुआ 'मेराकी' वैलनेस व स्पा सेंटर का उद्घाटन



मेरठ, (पंजाब केसरी) : स्वामी विवेकानन्द सुभारती विश्वविद्यालय परिसर में अंतर्राष्ट्रीय गुणवत्ता युक्त ''मेराकी'' वैलनेस व स्पा सेंटर का उद्घाटन किया गया। सुभारती विश्वविद्यालय के कुलपति ब्रिगेडियर डा. वी.पी.सिंह एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी डा.शल्या राज ने संयुक्त रूप से "मेराकी" वैलनेस व स्पा सेंटर का उद्घाटन किया।कुलपति ब्रिगेडियर डा. वी.पी. सिंह ने हर्ष प्रकट करते हुए कहा कि "मेराकी" वैलनेस व स्पा सेंटर द्वारा लोगों को मानसिक एवं शारीरिक स्वास्थ्य लाभ मिलेंगा। उन्होंने कहा कि यह एक सटीक पहल है जिसमें उच्च गुणवत्ता युक्त प्राकृतिक चिकित्सा पद्धति के साथ मॉर्डन स्पा सहित कई अंतर्राष्ट्रीय स्तर की स्वास्थ्यवर्धक चिकित्सा सुविधा उपलब्ध है। उन्होंने अपनी शुभकामनाएं देते हुए सभी से ''मेराकी" वैलनेस व स्पा सेंटर द्वारा स्वास्थ लाभ लेने की अपील की।सुभारती विश्वविद्यालय की मुख्य कार्यकारी अधिकारी डा.शल्या राज ने बताया कि "मेराकी" वैलनेस व स्पा सेंटर प्राकृतिक चिकित्सा पद्धति के साथ वर्तमान समय की आधुनिक शैली से सुसज्जित है। उन्होंने ने कहा कि वर्तमान जीवन में लोगों के अन्दर इतनी व्यस्तता बढ़ गई है कि खुद पर ध्यान देने का समय ही नहीं मिलता है। आज कम ही लोग हैं, जो हेल्दी लाइफस्टाइल को फॉलो करते हैं। वर्क प्रेशर घर-परिवार की जिम्मेदारी, आर्थिक तंगी, बेरोजगारी आदि के कारण लोगों में चिंता, परेशानी, मानसिक तनाव और अवसाद बढ़ता जा रहा है जिससे लोग शारीरिक और मानसिक रूप से अस्वस्थ होते जा रहे हैं। इन तमाम कारणों का संज्ञान लेकर सुभारती विश्वविद्यालय में ''मेराकी'' वैलनेस व स्पा सेंटर स्थापित किया गया है जिसके द्वारा मानसिक, शारीरिक एवं सौन्दर्य उपचार सहित व्यक्तित्व निखार के साथ वजन घटाने व तनाव मुक्ति हेतु सभी प्रकार की विश्वस्तरीय सुविधाएं उपलब्ध कराई गई है।

FEBRUARY 2021

Maharishi Aurobindo Subharti College & Hospital of Naturopathy & Yogic Sciences, Faculty of AYUSH
Swami Vivekanand Subharti University, Meerut

IN THE NEWS

मेराकी वैलनेस एवं स्पा सेंटर का उद्घाटन

सुभारती विश्वविद्यालय

मेरठ | संवाददाता

सुभारती विश्वविद्यालय के कुलपति ब्रिगेडियर डॉ. वी.पी.सिंह व मुख्य कार्यकारी अधिकारी डॉ. शल्या राज ने संयुक्त रूप से मेराकी वैलनेस व स्पा सेंटर का उद्घाटन किया। कुलपति ब्रिगेडियर डॉ. वी.पी. सिंह ने कहा कि मेराकी वैलनेस व स्पा सेंटर द्वारा लोगों को मानसिक एवं शारीरिक स्वास्थ्य लाभ मिलेगा। सुभारती नेचुरोपैथी व योगा कॉलेज के प्रिंसिपल एवं डीन आयुष डॉ. अभय एम. शंकरगौडा ने बताया कि मेराकी वैलनेस व स्पा सेंटर अत्यंत आधुनिक शैली तथा उच्चस्तर की सुविधाओं से स्थापित किया गया है।



मेराकल वैलनेस स्पा सेंटर के शुभारंभ के अवसर पर मौजूद अतिथि। • हिन्दुस्तान

इस अवसर पर सुभारती विश्वविद्यालय की संस्थापिका डॉ. मुक्ति भटनागर, लोकप्रिय अस्पताल के निदेशक डॉ. रोहित रविन्द्र, सुभारती अस्पताल के चिकित्सा उपाधीक्षक डॉ. कृष्णा मूर्ति, डॉ. आकांशा, डायरेक्टर जनरल डॉ. डीसी सक्सेना, पत्रकारिता संकाय के प्राचार्य डॉ. नीरज कर्ण सिंह, सीटीओ विवेक तिवारी, वीके नागर, सारिका आदि उपस्थित रहे।

Maharishi Aurobindo Subharti College & Hospital of Naturopathy & Yogic Sciences, Faculty of AYUSH
Swami Vivekanand Subharti University, Meerut

IN THE NEWS

सुभारती में मेराकी वेलनेस और स्पा सेंटर का शुभारंभ



सुभारती में आयोजित कार्यक्रम में मौजूद आयोजक और अतिथि।

माई सिटी रिपोर्टर

मेरठ। सुभारती विवेकानंद सुभारती विवि परिसर में 'मेराकी' वेलनेस व स्पा सेंटर का शुभारंभ हुआ। कुलपति ब्रिगेडियर डॉ. वीपी सिंह, मुख्य कार्यकारी अधिकारी डॉ. शल्या राज ने शुभारंभ किया। कुलपति ने बताया कि इस सेंटर पर गुणवत्ता युक्त प्राकृतिक चिकित्सा पद्धति के साथ मॉर्डन स्पा सहित कई अंतर्राष्ट्रीय स्तर की स्वास्थ्य वर्धक चिकित्सा सुविधा उपलब्ध है।

मानसिक, शारीरिक एवं सौंदर्य उपचार सहित व्यक्तित्व निखार के साथ वजन घटाने व तनाव मुक्ति हेतु सभी प्रकार की विश्वस्तरीय सुविधाएं उपलब्ध कराई गई है। सुभारती नेचुरोपैथी व योगा कॉलेज के प्रिंसिपल व डीन आयुष डॉ. अभय एम. शंकरगौड़ा ने बताया यहां प्राकृतिक चिकित्सा, आयुर्वेदिक पंचकर्म चिकित्सा, मॉर्डन स्पा, स्टीम बाथ, सौना बाथ, जकूजी बाथ, तनाव-मुक्ति, वजन-कम करना, सौदर्य उपचार सुविधा मिलेगी। सुभारती विश्वविद्यालय की संस्थापिका डॉ. मुक्ति भटनागर, डॉ. रोहित रविन्द्र, डॉ कृष्णा मूर्ति, डॉ. आकांक्षा, डॉ. डीसी सक्सेना, डॉ. नीरज कर्ण सिंह, विवेक तिवारी, वीके नागर, सारिका आदि उपस्थित रहे।

Maharishi Aurobindo Subharti College & Hospital of Naturopathy & Yogic Sciences, Faculty of AYUSH
Swami Vivekanand Subharti University, Meerut

IN THE NEWS

सुभारती विश्वविद्यालय में हुआ ''मेराकी'' वैलनेस व स्पा सेंटर का उद्घाटन

पब्लिक एशिया

मेरठ। स्वामी विवेकानन्द सुभारती विश्वविद्यालय परिसर में अंतर्राष्ट्रीय गुणवत्ता युक्त ''मेराकी'' वैलनेस व स्पा सेंटर का उद्घाटन किया गया। सुभारती विश्वविद्यालय के कुलपति ब्रिगेडियर डा.वी.पी.सिंह एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी डा.शल्या राज ने संयुक्त रूप से ''मेराकी'' वैलनेस व स्पा सेंटर का उद्घाटन किया।



कुलपति ब्रिगेडियर डा. वी.पी. सिंह ने हर्ष प्रकट करते हुए कहा कि हमेराकीह वैलनेस व स्पा सेंटर द्वारा लोगों को मानसिक एवं शारीरिक स्वास्थ्य लाभ मिलेगा। उन्होंने कहा कि यह एक सटीक पहल है जिसमें उच्च गुणवत्ता युक्त प्राकृतिक चिकित्सा पद्धति के साथ मॉर्डन स्पा सहित कई अंतर्राष्ट्रीय स्तर की स्वास्थ्यवर्धक चिकित्सा सुविधा उपलब्ध है। उन्होंने अपनी शुभकामनाएं देते हुए सभी से ''मेराकी'' वैलनेस व स्पा सेंटर द्वारा स्वास्थ लाभ लेने की अपील की।

सुभारती विश्वविद्यालय की मुख्य कार्यकारी अधिकारी डा.शल्या राज ने बताया कि हमेराकी'' वैलनेस व स्पा सेंटर प्राकृतिक चिकित्सा पद्धति के साथ वर्तमान समय की आधुनिक शैली से सुसज्जित है। उन्होंने ने कहा कि वर्तमान जीवन में लोगों के अन्दर इतनी व्यस्तता बढ़ गई है कि खुद पर ध्यान देने का समय ही नहीं मिलता है। आज कम ही लोग हैं, जो हेल्दी लाइफस्टाइल को फॉलो करते हैं। वर्क प्रेशर घर-परिवार की जिम्मेदारी, आर्थिक तंगी, बेरोजगारी आदि के कारण लोगों में चिंता, परेशानी, मानसिक तनाव और अवसाद बढ़ता जा रहा है जिससे लोग शारीरिक और मानसिक रूप से अस्वस्थ होते जा रहे हैं।इन तमाम कारणों का संज्ञान लेकर सुभारती विश्वविद्यालय में ''मेराकी'' वैलनेस व स्पा सेंटर स्थापित किया गया है जिसके द्वारा मानसिक, शारीरिक एवं सौन्दर्य उपचार सहित व्यक्तित्व निखार के साथ वजन घटाने व तनाव मुक्ति हेतु सभी प्रकार की विश्वस्तरीय सुविधाएं उपलब्ध कराई गई है। सुभारती नेचुरोपैथी व योगा कॉलेज के प्रिंसिपल व डीन आयुष डा. अभय एम. शंकरगौडा ने बताया कि ''मेराकी'' वैलनेस व स्पा सेंटर अत्यंत ही आधुनिक शैली तथा उच्च-स्तर की सुविधाओं से स्थापित किया गया है। इसमें प्राकृतिक चिकित्सा, आयुर्वेदिक पंचकर्म चिकित्सा, मॉर्डन स्पा, स्टीम बाथ, सौना बाथ, जकूजी बाथ आदि सहित अंतर्राष्ट्रीय स्तर की सुविधाओं की व्यवस्था की गई है। सेंटर में मुख्य रूप से आयुर्वेदिक व आधुनिक स्पा दोनों तरह की सुविधाए प्रदान की जाएंगी। इसमें लोग तनाव-मुक्ति, वजन-कम करना, सौदर्य उपचार आदि की सुविधाओं का लाभ ले सकते है। उन्होंने बताया की कोविड़-19 जैसे महामारी में शारीरिक व मानसिक तनाव तथा स्वास्थ्यवर्धक चिकित्साओं हेतु वैलनेस थैरेपी लाभदायक है।

इस अवसर पर सुभारती विश्वविद्यालय की संस्थापिका डॉ मुक्ति भटनागर, लोकप्रिय अस्पताल के निदेशक डॉ रोहित रविन्द्र, सुभारती अस्पताल के चिकित्सा उपाधीक्षक डॉ कृष्णा मूर्ति, डॉ आकांशा, डायरेक्टर जनरल डॉ डीसी सक्सेना, पत्रकारिता संकाय के प्राचार्य डॉ नीरज कर्ण सिंह, सीटीओ विवेक तिवारी, वीके नागर, श्रीमती सारिका आदि उपस्थित रहे।

सुभारती विवि में हुआ 'मेराकी' वेलनेस व स्पा सेंटर का उद्घाटन

मेरठ। स्वामी विवेकानन्द सुभारती विश्वविद्यालय परिसर में अंतर्राष्ट्रीय गुणवत्ता युक्त 'मेराकी' वैलनेस व स्पा सेंटर का उद्घाटन किया गया। सुभारती विश्वविद्यालय के कुलपति ब्रिगेडियर डा.वी.पी.सिंह एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी डा.शल्या राज ने संयुक्त रूप से 'मेराकी' वैलनेस व स्पा सेंटर का उद्घाटन किया।

मेरठ

कुलपति ब्रिगेडियर डा. वी.पी. सिंह ने हर्ष प्रकट करते हुए कहा कि मेराकी वैलनेस व स्पा सेंटर द्वारा लोगों को मानसिक एवं शारीरिक स्वास्थ्य लाभ मिलेंगा। उन्होंने कहा कि यह एक सटीक पहल है जिसमें उच्च गुणवत्ता युक्त प्राकृतिक चिकित्सा पद्धति के साथ मॉर्डन स्पा सहित कई अंतर्राष्ट्रीय स्तर की स्वास्थ्यवर्धक चिकित्सा सुविधा उपलब्ध है। सुभारती विश्वविद्यालय की मुख्य कार्यकारी अधिकारी डा. शल्या राज ने बताया कि 'मेराकी' वैलनेस व स्पा सेंटर प्राकृतिक चिकित्सा पद्धति के साथ वर्तमान समय की आधुनिक शैली से सुसज्जित है। उन्होंने ने कहा कि वर्तमान जीवन में लोगों के अन्दर इतनी व्यस्तता बढ़ गई है कि खुद पर ध्यान देने का समय ही नहीं मिलता है। आज कम ही लोग हैं, जो हेल्दी लाइफस्टाइल को फॉलो करते हैं। वर्क प्रेशर घर-परिवार की जिम्मेदारी, आर्थिक तंगी, बेरोजगारी आदि के कारण लोगों में चिंता, परेशानी, मानसिक तनाव और अवसाद बढ़ता जा रहा है जिससे लोग शारीरिक और मानसिक रूप से अस्वस्थ होते जा रहे हैं। इन तमाम कारणों का संज्ञान लेकर सुभारती विश्वविद्यालय में 'मेराकी' वैलनेस व स्पा सेंटर स्थापित किया गया है जिसके द्वारा मानसिक, शारीरिक एवं सौन्दर्य उपचार सहित व्यक्तित्व निखार के साथ वजन घटाने व तनाव मुक्ति हेतु सभी प्रकार की विश्वस्तरीय सुविधाएं उपलब्ध कराई गई है। सुभारती नेचुरोपैथी व योगा कॉलेज के प्रिंसिपल व डीन आयुष डा. अभय एम. शंकरगौडा ने बताया कि 'मेराकी' वैलनेस व स्पा सेंटर अत्यंत ही आधुनिक शैली तथा उच्च-स्तर की सुविधाओं से स्थापित किया गया है।

Maharishi Aurobindo Subharti College & Hospital of Naturopathy & Yogic Sciences, Faculty of AYUSH
Swami Vivekanand Subharti University, Meerut

IN THE NEWS

सुभारती विवि में 'मेराकी' वैलनेस और स्पा सेंटर का शुभारंभ



प्रभात ब्यूरो

मेरठ। स्वामी विवेकानन्द सुभारती विश्वविद्यालय परिसर में अंतर्राष्ट्रीय गुणवत्ता युक्त 'मेराकी' वैलनेस व स्पा सेंटर का उद्घाटन किया गया।

सुभारती विश्वविद्यालय के कुलपति ब्रिगेडियर डा.वी.पी.सिंह एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी डा.शल्या राज ने संयुक्त रूप से 'मेराकी' वैलनेस व स्पा सेंटर का उद्घाटन किया। कुलपति ब्रिगेडियर डा. वी.पी. सिंह ने हर्ष प्रकट करते हुए कहा कि मेराकी वैलनेस व स्पा सेंटर द्वारा लोगों को मानसिक एवं शारीरिक स्वास्थ्य लाभ मिलेगा। उन्होंने कहा कि यह एक सटीक पहल है जिसमें उच्च गुणवत्ता युक्त प्राकृतिक चिकित्सा पद्धति के साथ मॉर्डन स्पा सहित कई अंतर्राष्ट्रीय स्तर की स्वास्थ्यवर्धक चिकित्सा सुविधा उपलब्ध है। उन्होंने अपनी शुभकामनाएं देते हुए सभी से 'मेराकी' वैलनेस व स्पा सेंटर द्वारा स्वास्थ लाभ लेने की अपील की। सुभारती विश्वविद्यालय की मुख्य कार्यकारी अधिकारी डा.शल्या राज ने बताया कि मेराकी वैलनेस व स्पा सेंटर प्राकृतिक चिकित्सा पद्धति के साथ वर्तमान समय की आधुनिक शैली से सुसज्जित है। उन्होंने ने कहा कि वर्तमान जीवन में लोगों के अन्दर इतनी व्यस्तता बढ़ गई है कि खुद पर ध्यान देने का समय ही नहीं मिलता है। आज कम ही लोग हैं, जो हेल्दी लाइफस्टाइल को फॉलो करते हैं। वर्क प्रेशर घर-परिवार की जिम्मेदारी, आर्थिक तंगी, बेरोजगारी आदि के कारण लोगों में चिंता, परेशानी, मानसिक तनाव और अवसाद बढ़ता जा रहा है जिससे लोग शारीरिक और मानसिक रूप से अस्वस्थ होते जा रहे हैं। इन तमाम कारणों का संज्ञान लेकर सुभारती विश्वविद्यालय में मेराकी वैलनेस व स्पा सेंटर स्थापित किया गया है जिसके द्वारा मानसिक, शारीरिक एवं सौन्दर्य उपचार सहित व्यक्तित्व निखार के साथ वजन घटाने व तनाव मुक्ति हेतु सभी प्रकार की विश्वस्तरीय सुविधाएं उपलब्ध कराई गई है। सुभारती नेचुरोपैथी व योगा कॉलेज के प्रिंसिपल व डीन आयुष डा. अभय एम. शंकरगौडा ने बताया कि ''मेराकी'' वैलनेस व स्पा सेंटर अत्यंत ही आधुनिक शैली तथा उच्च-स्तर की सुविधाओं से स्थापित किया गया है। इसमें प्राकृतिक चिकित्सा, आयुर्वेदिक पंचकर्म चिकित्सा, मॉर्डन स्पा, स्टीम बाथ, सौना बाथ, जकूजी बाथ आदि सहित अंतराष्ट्रीय स्तर की सुविधाओं की व्यवस्था की गई है। सेंटर में मुख्य रूप से आयुर्वेदिक व आधुनिक स्पा दोनों तरह की सुविधाए प्रदान की जाएंगी। इसमें लोग तनाव-मुक्ति, वजन-कम करना, सौदर्य उपचार आदि की सुविधाओं का लाभ ले सकते है। उन्होनें बताया की कोविड-19 जैसे महामारी में शारीरिक व मानसिक तनाव तथा स्वास्थ्यवर्धक चिकित्साओं हेतु वैलनेस थैरेपी लाभदायक है।

इस अवसर पर सुभारती विश्वविद्यालय की संस्थापिका डा. मुक्ति भटनागर, लोकप्रिय अस्पताल के निदेशक डा. रोहित रविन्द्र, सुभारती अस्पताल के चिकित्सा उपाधीक्षक डॉ. कृष्णा मूर्ति, डॉ. आकांशा, डायरेक्टर जनरल डॉ. डीसी सक्सेना, पत्रकारिता संकाय के प्राचार्य डॉ. नीरज कर्ण सिंह, सीटीओ विवेक तिवारी, वीके नागर, श्रीमती सारिका आदि उपस्थित रहे।

Maharishi Aurobindo Subharti College & Hospital of Naturopathy & Yogic Sciences, Faculty of AYUSH
Swami Vivekanand Subharti University, Meerut

IN THE NEWS

सुभारती विश्वविद्यालय में निसर्गोपचार महोत्सव का शुभारंभ

राहुल ठाकुर

मेरठ (विधान केसरी)। स्वामी विवेकानन्द सुभारती विश्वविद्यालय के महर्षि अरबिंदो सुभारती कॉलेज एण्ड हॉस्पिटल ऑफ नेचुरोपैथी एण्ड योगिक साइन्सेस में केन्द्रीय आयुष मंत्रालय भारत सरकार के द्वारा संचालित राष्ट्रीय प्राकृतिक संस्थान पुणे के सहयोग से निसर्गोपचार महोत्सव (मेगा नेचुरोपैथी शिविर) का शुभारंभ किया गया। शिविर का शुभारंभ सुभारती विश्वविद्यालय की मुख्य कार्यकारी अधिकारी डा. शल्या राज, सुभारती अस्पताल के चिकित्सा उपाधीक्षक डा. कृष्णा मूर्ति एवं नेचुरोपैथी कॉलिज के प्राचार्य डा. अभय एम शंकरगौड़ा ने दीप प्रज्जवलन करके किया।



मुख्य कार्यकारी अधिकारी डा. शल्या राज ने शिविर के शुभारंभ के अवसर पर सभी को बधाई देते हुए कहा कि निसर्गोपचार महोत्सव प्राकृतिक चिकित्सा पद्धति से लाभान्वित करने में सहयोग देगा। उन्होंने क्षेत्रवासियों से शिविर में पहुंचकर निःशुल्क परामर्श एवं उपचार प्राप्त करनी की अपील करते हुए शिविर की सफलता हेतु अपनी शुभकामनाएं दी।सुभारती अस्पताल के चिकित्सा उपाधीक्षक डा.कृष्णा मूर्ति ने निसर्गोपचार महोत्सव के शुभारंभ पर अपनी शुभकामनाएं दी। उन्होंने कहा कि प्राकृतिक चिकित्सा पद्धति भारतीय सभ्यता की प्राचीन विरासत है और वर्तमान में जिस प्रकार आधुनिक तकनीक की सहायता से प्राकृतिक चिकित्सा को अधिक प्रभावशाली बनाया गया है इससे जनमानस को लाभ मिल रहा है।

नेचुरोपैथी एण्ड योगिक साइन्सेस कॉलेज के प्राचार्य डा. अभय एम. शंकरगौड़ा ने बताया कि शिविर के अन्तर्गत विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है जिसमें नेचुरोपैथी योग चिकित्सा के बारे में संगोष्ठी, प्राकृतिक आहार उत्सव और विशेष रूप से योग और प्राकृतिक चिकित्सा के बारे में परामर्श एवं उपचार दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि योग और प्राकृतिक चिकित्सा आज के जीवन में अधिक महत्वपूर्ण है सुभारती नेचुरोपैथी एण्ड योगिक साइन्सेस कॉलेज में इस अद्भुद चिकित्सा पद्धति के लिए अन्तराष्ट्रीय स्तर की सेवाएं उपलब्ध है। उन्होंने कहा कि जिस प्रकार प्राकृतिक चिकित्सा के लिये लोगों में जागरूकता बढ़ी है। इसे प्रोत्साहित करते हुए सुभारती विश्वविद्यालय द्वारा अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर चिकित्साओं को सुसज्जित किया गया है। उन्होंने बताया कि वर्तमान समय में रोजमर्रा के रोगो के अलावा कैंसर, हृदय रोग, एड्स, मानसिक रोग, मधुमेह, कोरोना आदि विभिन्न प्रकार की बीमारियों ने हर इंसान को जकड़ रखा है इन सभी बीमारियों से प्राकृतिक चिकित्सा एवं योग के माध्यम से छुटकारा पाया जा सकता है। उन्होंने बताया कि प्राकृतिक चिकित्सा ऐसी प्राचीन चिकित्सा पद्धति है जो हजारों सालों से ऋषि मुनियों एवं वैधों के द्वारा मानव जाति को स्वास्थ्य लाभ देने के लिए अब वैज्ञानिक तरीके से प्रयोग की गई चिकित्सा है जो बिना कोई हानि पहुंचाए हमारे शरीर को सुख एवं स्वास्थ्य प्रदान करती है। उन्होंने बताया कि निसर्गोपचार महोत्सव 24.03.2021 तक निःशुल्क आयोजित किया जाएगा जिसमें मेरठ सहित आस पास के क्षेत्रवासी शामिल होकर परामर्श एवं उपचार प्राप्त कर सकते है।

प्राकृतिक चिकित्सा पद्धति भारतीय सभ्यता की प्राचीन विरासत

माई सिटी रिपोर्टर



सुभारती विवि में आयोजित कार्यक्रम में शामिल अतिथि। संवाद

मेरठ। स्वामी विवेकानंद सुभारती विश्वविद्यालय के महर्षि अरबिंदो सुभारती कॉलेज एंड हॉस्पिटल ऑफ नेचुरोपैथी एंड योगिक साइंसेज में केंद्रीय आयुष मंत्रालय भारत सरकार द्वारा संचालित राष्ट्रीय प्राकृतिक संस्थान पुणे के सहयोग से निसर्गोपचार महोत्सव (मेगा नेचुरोपैथी शिविर) का शुभारंभ हुआ।

शिविर का शुभारंभ विश्वविद्यालय की मुख्य कार्यकारी अधिकारी डॉ. शल्या राज, सुभारती अस्पताल के चिकित्सा उपाधीक्षक डॉ. कृष्णा मूर्ति एवं नेचुरोपैथी कॉलेज के प्राचार्य डॉ. अभय एम शंकरगौड़ा ने किया। डॉ. शल्या राज ने कहा कि निसर्गोपचार महोत्सव प्राकृतिक चिकित्सा पद्धति से लाभान्वित करने में सहयोग देगा। उन्होंने क्षेत्रवासियों से शिविर में पहुंचकर निशुल्क परामर्श एवं उपचार प्राप्त करने को कहा।

सुभारती अस्पताल के चिकित्सा उपाधीक्षक डॉ. कृष्णा मूर्ति ने कहा कि प्राकृतिक चिकित्सा पद्धति भारतीय सभ्यता की प्राचीन विरासत है और वर्तमान में जिस प्रकार आधुनिक तकनीक की सहायता से प्राकृतिक चिकित्सा को अधिक प्रभावशाली बनाया गया है। प्राचार्य डॉ. अभय एम. शंकर गौड़ा ने बताया कि निसर्गोपचार महोत्सव 24 मार्च तक निशुल्क आयोजित किया जाएगा।

सुभारती विश्वविद्यालय में निसर्गोपचार महोत्सव का शुभारंभ

बुलन्द संदेश ब्यूरो

मेरठ (ताज मोहम्मद)। स्वामी विवेकानन्द सुभारती विश्वविद्यालय के महर्षि अरबिंदो सुभारती कॉलिज एण्ड हॉस्पिटल ऑफ नेचुरोपैथी एण्ड योगिक साइन्सेस में केन्द्रीय आयुष मंत्रालय भारत सरकार के द्वारा संचालित राष्ट्रीय प्राकृतिक संस्थान पुणे के सहयोग से निसर्गोपचार महोत्सव मेगा नेचुरोपैथी शिविरद्ध का शुभारंभ किया गया। शिविर का शुभारंभ सुभारती विश्वविद्यालय की मुख्य कार्यकारी अधिकारी डा. शल्या राज, सुभारती अस्पताल के चिकित्सा उपाधीक्षक डा. कृष्णा मूर्ति एवं नेचुरोपैथी कॉलिज के प्राचार्य डा. अभय एम शंकरगौड़ा ने दीप प्रज्वलन करके किया मुख्य कार्यकारी अधिकारी डा. शल्या राज ने शिविर के शुभारंभ के अवसर पर सभी को बधाई देते हुए कहा कि निसर्गोपचार महोत्सव प्राकृतिक चिकित्सा पद्धति से लाभान्वित करने में सहयोग देगा। उन्होंने क्षेत्रवासियों से शिविर में पहुंचकर निःशुल्क परामर्श एवं उपचार प्राप्त करनी की अपील करते हुए शिविर की सफलता हेतु अपनी शुभकामनाएं दी। सुभारती अस्पताल के चिकित्सा उपाधीक्षक डा.कृष्णा मूर्ति ने निसर्गोपचार महोत्सव के शुभारंभ पर अपनी शुभकामनाएं दी। उन्होंने कहा कि प्राकृतिक चिकित्सा पद्धति भारतीय सभ्यता की प्राचीन विरासत है और वर्तमान में जिस प्रकार आधुनिक तकनीक की सहायता से प्राकृतिक चिकित्सा को अधिक प्रभावशाली बनाया गया है इससे जनमानस को लाभ मिल रहा है। नेचुरोपैथी एण्ड योगिक साइन्सेस कॉलेज के प्राचार्य डा. अभय एम. शंकरगौड़ा ने बताया कि शिविर के अन्तर्गत विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है जिसमें नेचुरोपैथी योग चिकित्सा के बारे में संगोष्ठी, प्राकृतिक आहार उत्सव और विशेष रूप से योग और प्राकृतिक चिकित्सा के बारे में परामर्श एवं उपचार दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि योग और प्राकृतिक चिकित्सा आज के जीवन में अधिक महत्वपूर्ण है सुभारती नेचुरोपैथी एण्ड योगिक साइन्सेस कॉलेज में इस अद्भुद चिकित्सा पद्धति के लिए अन्तराष्ट्रीय स्तर की सेवाएं उपलब्ध है। उन्होंने कहा कि जिस प्रकार प्राकृतिक चिकित्सा के लिये लोगों में जागरूकता बढ़ी है। इसे प्रोत्साहित करते हुए सुभारती विश्वविद्यालय द्वारा अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर चिकित्साओं को सुसज्जित किया गया है। उन्होंने बताया कि वर्तमान समय में रोजमर्रा के रोगो के अलावा कैंसर हृदय रोगए एड्सए मानसिक रोगए मधुमेहए कोरोना आदि विभिन्न प्रकार की बीमारियों ने हर इंसान को जकड़ रखा है इन सभी बीमारियों से प्राकृतिक चिकित्सा एवं योग के माध्यम से छुटकारा पाया जा सकता है। उन्होंने बताया कि प्राकृतिक चिकित्सा ऐसी प्राचीन चिकित्सा पद्धति है जो हजारों सालों से ऋषि मुनियों एवं वैधों के द्वारा मानव जाति को स्वास्थ्य लाभ देने के लिए अब वैज्ञानिक तरीके से प्रयोग की गई चिकित्सा है जो बिना कोई हानि पहुंचाए हमारे शरीर को सुख एवं स्वास्थ्य प्रदान करती है। उन्होंने बताया कि निसर्गोपचार महोत्सव कृपया तक निःशुल्क आयोजित किया जाएगा। जिसमें मेरठ सहित आस पास के क्षेत्रवासी शामिल होकर परामर्श एवं उपचार प्राप्त कर सकते है।





सुभारती विवि में शुरू हुआ निसर्गोपचार महोत्सव

मेरठ। सुभारती विवि के महर्षि अरबिंदो सुभारती कॉलेज एंड हॉस्पिटल ऑफ नेचुरोपैथी एंड यौगिक साइन्सेस में सोमवार से निसर्गोपचार महोत्सव शुरू हुआ। शुभारंभ मुख्य कार्यकारी अधिकारी डॉ.शल्या राज, सुभारती अस्पताल के चिकित्सा उपाधीक्षक डॉ.कृष्णा मूर्ति एवं नेचुरोपैथी कॉलेज के प्राचार्य डॉ.अभय एम शंकरगौड़ा ने किया। डॉ.शल्या राज ने कहा कि यह शिविर प्राकृतिक चिकित्सा पद्धति के प्रति जागरुकता लाएगा। डॉ.कृष्णा मूर्ति ने कहा कि प्राकृतिक चिकित्सा पद्धति भारतीय सभ्यता की प्राचीन विरासत है। महोत्सव 24 मार्च तक चलेगा।

Maharishi Aurobindo Subharti College & Hospital of Naturopathy & Yogic Sciences, Faculty of AYUSH
Swami Vivekanand Subharti University, Meerut

IN THE NEWS

सुभारती विवि में निसर्गोपचार महोत्सव का शुभारंभ



वैभव न्यूज ■ मेरठ

स्वामी विवेकानन्द सुभारती विश्वविद्यालय के महर्षि अरबिंदो सुभारती कॉलेज एण्ड हॉस्पिटल ऑफ नेचुरोपैथी एण्ड योगिक साइन्सेस में केन्द्रीय आयुष मंत्रालय भारत सरकार के द्वारा संचालित राष्ट्रीय प्राकृतिक संस्थान पूणे के सहयोग से निसर्गोपचार महोत्सव (मेगा नेचुरोपैथी शिविर) का शुभारंभ किया गया।

शुभारंभ विवि विश्वविद्यालय सीईओ डा. शल्या राज, चिकित्सा उपाधीक्षक डा. कृष्णा मूर्ति एवं प्राचार्य डा. अभय एम शंकरगौड़ा ने दीप प्रज्जवलन करके किया।

डा. शल्या राज ने कहा कि निसर्गोपचार महोत्सव प्राकृतिक चिकित्सा पद्धति से लाभान्वित करने में सहयोग देगा। उन्होंने क्षेत्रवासियों से शिविर में पहुंचकर निःशुल्क परामर्श एवं उपचार प्राप्त करने की अपील की।

डा. अभय एम. शंकरगौड़ा ने बताया कि नेचुरोपैथी योग चिकित्सा के बारे में संगोष्ठी, प्राकृतिक आहार उत्सव और विशेष रूप से योग और प्राकृतिक चिकित्सा के बारे में परामर्श एवं उपचार दिया जाएगा। निसर्गोपचार महोत्सव गुरुवार तक निःशुल्क आयोजित किया जाएगा।

सुभारती विश्वविद्यालय में निसर्गोपचार महोत्सव का शुभारंभ



(आज का बुलेटिन) अतुल माहेश्वरी

मेरठ। स्वामी विवेकानन्द सुभारती विश्वविद्यालय के महर्षि अरबिंदो सुभारती कॉलेज एण्ड हॉस्पिटल ऑफ नेचुरोपैथी एण्ड योगिक साइन्सेस में केन्द्रीय आयुष मंत्रालय भारत सरकार के द्वारा संचालित राष्ट्रीय प्राकृतिक संस्थान पूणे के सहयोग से निसर्गोपचार महोत्सव (मेगा नेचुरोपैथी शिविर) का शुभारंभ किया गया। शिविर का शुभारंभ सुभारती विश्वविद्यालय की मुख्य कार्यकारी अधिकारी डा. शल्या राज, सुभारती अस्पताल के चिकित्सा उपाधीक्षक डा. कृष्णा मूर्ति एवं नेचुरोपैथी कॉलिज के प्राचार्य डा. अभय एम शंकरगौड़ा ने दीप प्रज्जवलन करके किया।

मुख्य कार्यकारी अधिकारी डा. शल्या राज ने शिविर के शुभारंभ के अवसर पर सभी को बधाई देते हुए कहा कि निसर्गोपचार महोत्सव प्राकृतिक चिकित्सा पद्धति से लाभान्वित करने में सहयोग देगा। उन्होंने क्षेत्रवासियों से शिविर में पहुंचकर निःशुल्क परामर्श एवं उपचार प्राप्त करनी की अपील करते हुए शिविर की सफलता हेतु अपनी शुभकामनाएं दी।

सुभारती अस्पताल के चिकित्सा उपाधीक्षक डा.कृष्णा मूर्ति ने निसर्गोपचार महोत्सव के शुभारंभ पर अपनी शुभकामनाएं दी। उन्होंने कहा कि प्राकृतिक चिकित्सा पद्धति भारतीय सभ्यता की प्राचीन विरासत है और वर्तमान में जिस प्रकार आधुनिक तकनीक की सहायता से प्राकृतिक चिकित्सा को अधिक प्रभावशाली बनाया गया है इससे जनमानस को लाभ मिल रहा है।

नेचुरोपैथी एण्ड योगिक साइन्सेस कॉलेज के प्राचार्य डा. अभय एम. शंकरगौड़ा ने बताया कि शिविर के अर्न्तगत विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है जिसमें नेचुरोपैथी योग चिकित्सा के बारे में संगोष्ठी, प्राकृतिक आहार उत्सव और विशेष रूप से योग और प्राकृतिक चिकित्सा के बारे में परामर्श एवं उपचार दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि योग और प्राकृतिक चिकित्सा आज के जीवन में अधिक महत्वपूर्ण है सुभारती नेचुरोपैथी एण्ड योगिक साइन्सेस कॉलेज में इस अद्भुद चिकित्सा पद्धति के लिए अन्तराष्ट्रीय स्तर की सेवाएं उपलब्ध है। उन्होंने कहा कि जिस प्रकार प्राकृतिक चिकित्सा के लिये लोगो में जागरूकता बढ़ी है। इसे प्रोत्साहित करते हुए सुभारती विश्वविद्यालय द्वारा अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर चिकित्साओं को सुसज्जित किया गया है। उन्होंने बताया कि वर्तमान समय में रोजमर्रा के रोगो के अलावा कैंसर, हृदय रोग, एडस, मानसिक रोग, मधुमेह, कोरोना आदि विभिन्न प्रकार की बीमारियों ने हर इंसान को जकड़ रखा है इन सभी बीमारियों से प्राकृतिक चिकित्सा एवं योग के माध्यम से छुटकारा पाया जा सकता है। उन्होंने बताया कि प्राकृतिक चिकित्सा ऐसी प्राचीन चिकित्सा पद्धति है जो हजारों सालों से ऋषि मुनियों एवं वैधों के द्वारा मानव जाति को स्वास्थ्य लाभ देने के लिए अब वैज्ञानिक तरीके से प्रयोग की गई चिकित्सा है जो बिना कोई हानि पहुंचाएं हमारे शरीर को सुख एवं स्वास्थ्य प्रदान करती है। उन्होंने बताया कि निसर्गोपचार महोत्सव 24.03.2021 तक निःशुल्क आयोजित किया जाएगा जिसमें मेरठ सहित आस पास के क्षेत्रवासी शामिल होकर परामर्श एवं उपचार प्राप्त कर सकते है।

सुभारती विश्वविद्यालय में निसर्गोपचार महोत्सव का शुभारंभ

मेरठ, (कुमार अशोक)। स्वामी विवेकानन्द सुभारती विश्वविद्यालय के महर्षि अरबिंदो सुभारती कॉलेज एण्ड हॉस्पिटल ऑफ नेचुरोपैथी एण्ड योगिक साइन्सेस में केन्द्रीय आयुष मंत्रालय भारत सरकार के द्वारा संचालित राष्ट्रीय प्राकृतिक संस्थान पूणे के सहयोग से निसर्गोपचार महोत्सव (मेगा नेचुरोपैथी शिविर) का शुभारंभ किया गया। शिविर का शुभारंभ सुभारती विश्वविद्यालय की मुख्य कार्यकारी अधिकारी डा. शल्या राज, सुभारती अस्पताल के चिकित्सा उपाधीक्षक डा. कृष्णा मूर्ति एवं नेचुरोपैथी कॉलिज के प्राचार्य डा. अभय एम शंकरगौड़ा ने दीप प्रज्जवलन करके किया। मुख्य कार्यकारी अधिकारी डा. शल्या राज ने शिविर के शुभारंभ के अवसर पर सभी को बधाई देते हुए कहा कि निसर्गोपचार महोत्सव प्राकृतिक चिकित्सा पद्धति से लाभान्वित करने में सहयोग देगा। उन्होंने क्षेत्रवासियों से शिविर में पहुंचकर नि:शुल्क परामर्श एवं उपचार प्राप्त करनी की अपील करते हुए शिविर की सफलता हेतु अपनी शुभकामनाएं दी।

आयोजन : सुभारती विश्वविद्यालय में निसर्गोपचार महोत्सव का शुभारंभ



प्रवक्ता मूर्ति

मेरठ। स्वामी विवेकानन्द सुभारती विश्वविद्यालय के महर्षि अरबिंदो सुभारती कॉलेज एण्ड हॉस्पिटल ऑफ नेचुरोपैथी एण्ड योगिक साइन्सेस में केन्द्रीय आयुष मंत्रालय भारत सरकार के द्वारा संचालित राष्ट्रीय प्राकृतिक संस्थान पूणे के सहयोग से निसर्गोपचार महोत्सव (मेगा नेचुरोपैथी शिविर) का शुभारंभ किया गया। शिविर का शुभारंभ सुभारती विश्वविद्यालय की मुख्य कार्यकारी अधिकारी डा. शल्या राज, सुभारती अस्पताल के चिकित्सा उपाधीक्षक डा. कृष्णा मूर्ति एवं नेचुरोपैथी कॉलिज के प्राचार्य डा. अभय एम शंकरगौड़ा ने दीप प्रज्जवलन करके किया। मुख्य कार्यकारी अधिकारी डा. शल्या राज ने शिविर के शुभारंभ के अवसर पर सभी को बधाई देते हुए कहा कि निसर्गोपचार महोत्सव प्राकृतिक चिकित्सा पद्धति से लाभान्वित करने में सहयोग देगा। उन्होंने क्षेत्रवासियों से शिविर में पहुंचकर निःशुल्क परामर्श एवं उपचार प्राप्त करनी की अपील करते हुए शिविर की सफलता हेतु अपनी शुभकामनाएं दी। उन्होंने कहा कि प्राकृतिक चिकित्सा पद्धति भारतीय सभ्यता की प्राचीन विरासत है और वर्तमान में जिस प्रकार आधुनिक तकनीक की सहायता से प्राकृतिक चिकित्सा को अधिक प्रभावशाली बनाया गया है इससे जनमानस को लाभ मिल रहा है। नेचुरोपैथी एण्ड योगिक साइन्सेस कॉलेज के प्राचार्य डा. अभय एम. शंकरगौड़ा ने बताया कि शिविर के अर्न्तगत विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है जिसमें नेचुरोपैथी योग चिकित्सा के बारे में संगोष्ठी, प्राकृतिक आहार उत्सव और विशेष रूप से योग और प्राकृतिक चिकित्सा के बारे में परामर्श एवं उपचार दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि योग और प्राकृतिक चिकित्सा आज के जीवन में अधिक महत्वपूर्ण है सुभारती नेचुरोपैथी एण्ड योगिक साइन्सेस कॉलिज में इस अद्भुद चिकित्सा पद्धति के लिए अन्तराष्ट्रीय स्तर की सेवाएं उपलब्ध है। उन्होंने कहा कि जिस प्रकार प्राकृतिक चिकित्सा के लिये लोगो में जागरूकता बढ़ी है। इसे प्रोत्साहित करते हुए सुभारती विश्वविद्यालय द्वारा अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर चिकित्साओं को सुसज्जित किया गया है। उन्होंने बताया कि वर्तमान समय में रोजमर्रा के रोगो के अलावा कैंसर, हृदय रोग, एडस, मानसिक रोग, मधुमेह, कोरोना आदि विभिन्न प्रकार की बीमारियों ने हर इंसान को जकड़ रखा है इन सभी बीमारियों से प्राकृतिक चिकित्सा एवं योग के माध्यम से छुटकारा पाया जा सकता है। उन्होंने बताया कि प्राकृतिक चिकित्सा ऐसी प्राचीन चिकित्सा पद्धति है जो हजारों सालों से ऋषि मुनियों एवं वैधों के द्वारा मानव जाति को स्वास्थ्य लाभ देने के लिए अब वैज्ञानिक तरीके से प्रयोग की गई चिकित्सा है जो बिना कोई हानि पहुंचाएं हमारे शरीर को सुख एवं स्वास्थ्य प्रदान करती है। उन्होंने बताया कि निसर्गोपचार महोत्सव 24.03.2021 तक निःशुल्क आयोजित किया जाएगा जिसमें मेरठ सहित आस पास के क्षेत्रवासी शामिल होकर परामर्श एवं उपचार प्राप्त कर सकते है।

Maharishi Aurobindo Subharti College & Hospital of Naturopathy & Yogic Sciences, Faculty of AYUSH
Swami Vivekanand Subharti University, Meerut

IN THE NEWS

सुभारती विश्वविद्यालय में निसर्गोपचार महोत्सव का शुभारंभ



दिव्य विश्वास संवाददाता

मेरठः स्वामी विवेकानन्द सुभारती विश्वविद्यालय के महर्षि अरबिंदो सुभारती कॉलेज एण्ड हॉस्पिटल ऑफ नेचुरोपैथी एण्ड योगिक साइन्सेस में केन्द्रींय आयुष मंत्रालय भारत सरकार के द्वारा संचालित राष्ट्रीय प्राकृतिक संस्थान पूणे के सहयोग से निसर्गोपचार महोत्सव (मेगा नेचुरोपैथी शिविर) का शुभारंभ किया गया। शिविर का शुभारंभ सुभारती विश्वविद्यालय की मुख्य कार्यकारी अधिकारी डा. शल्या राज, सुभारती अस्पताल के चिकित्सा उपाधीक्षक डा. कृष्णा मूर्ति एवं नेचुरोपैथी कॉलिज के प्राचार्य डा. अभय एम.शंकरगौड़ा ने दीप प्रज्जवलन करके किया। मुख्य कार्यकारी अधिकारी डा. शल्या राज ने शिविर के शुभारंभ के अवसर पर सभी को बधाई देते हुए कहा कि निसर्गोपचार महोत्सव प्राकृतिक चिकित्सा पद्धति से लाभान्वित करने में सहयोग देगा। उन्होंने क्षेत्रवासियों से शिविर में पहुंचकर नि:शुल्क परामर्श एवं उपचार प्राप्त करनी की अपील करते हुए शिविर की सफलता हेतु अपनी शुभकामनाएं दी। सुभारती अस्पताल के चिकित्सा उपाधीक्षक डा.कृष्णा मूर्ति ने निसर्गोपचार महोत्सव के शुभारंभ पर अपनी शुभकामनाएं दी। उन्होंने कहा कि प्राकृतिक चिकित्सा पद्धति भारतीय सभ्यता की प्राचीन विरासत है और वर्तमान में जिस प्रकार आधुनिक तकनीक की सहायता से प्राकृतिक चिकित्सा को अधिक प्रभावशाली बनाया गया है इससे जनमानस को लाभ मिल रहा है।

सुभारती विवि में निसर्गोपचार महोत्सव का हुआ शुभारंभ

योग और प्राकृतिक चिकित्सा का दिया जाएगा परामर्श

शाह टाइम्स संवाददाता

मेरठ। स्वामी विवेकानन्द सुभारती विश्वविद्यालय के महर्षि अरबिंदो सुभारती कॉलेज एण्ड हॉस्पिटल ऑफ नेचुरोपैथी एण्ड योगिक साइन्सेस में केन्द्रींय आयुष मंत्रालय भारत सरकार के द्वारा संचालित राष्ट्रीय प्राकृतिक संस्थान पूणे के सहयोग से निसर्गोपचार महोत्सव (मेगा नेचुरोपैथी शिविर) का शुभारंभ किया गया। शिविर का शुभारंभ सुभारती विश्वविद्यालय की मुख्य कार्यकारी अधिकारी डा. शल्या राज, सुभारती अस्पताल के चिकित्सा उपाधीक्षक डा. कृष्णा मूर्ति एवं नेचुरोपैथी कॉलिज के प्राचार्य डा. अभय एम शंकरगौड़ा ने दीप प्रज्जवलन करके किया।

मुख्य कार्यकारी अधिकारी डा. शल्या राज ने शिविर के शुभारंभ के अवसर पर सभी को बधाई देते हुए कहा कि निसर्गोपचार महोत्सव प्राकृतिक चिकित्सा पद्धति से लाभान्वित करने में सहयोग देगा। उन्होंने क्षेत्रवासियों से शिविर में पहुंचकर नि:शुल्क परामर्श एवं उपचार प्राप्त करनी की अपील करते हुए शिविर की सफलता हेतु अपनी शुभकामनाएं दी। नेचुरोपैथी एण्ड योगिक साइन्सेस कॉलेज के प्राचार्य डा. अभय एम. शंकरगौड़ा ने बताया कि शिविर के अन्तर्गत विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है जिसमें नेचुरोपैथी योग चिकित्सा के बारे में संगोष्ठी, प्राकृतिक आहार उत्सव और विशेष रूप से योग और प्राकृतिक चिकित्सा के बारे में परामर्श एवं उपचार दिया जाएगा। उन्होंने बताया कि निसर्गोपचार महोत्सव 24 मार्च तक नि:शुल्क आयोजित किया जाएगा जिसमें मेरठ सहित आस पास के क्षेत्रवासी शामिल होकर परामर्श एवं उपचार प्राप्त कर सकते है।

सुभारती में निसर्गोपचार महोत्सव संपन्न

प्रभात ब्यूरो

मेरठ। केन्द्रींय आयुष मत्रांलय भारत सरकार के द्वारा संचालित 'राष्ट्रीय प्राकृतिक संस्थान पूणे' के सहयोग से महर्षि अरबिंदो सुभारती कॉलेज एण्ड हॉस्पिटल ऑफ नेचुरेपैथी एण्ड योगिक साइन्सेस के द्वारा 3 दिवसीय 'निसर्गोपचार महोत्सव (मेगा नेचुरोपैथी शिविर)' सुभारती विश्वविद्यालय में सफल रूप से सम्पन्न हुआ। सुभारती के योग और प्राकृतिक विभाग में भव्य रूप से इस महोत्सव का आयोजन किया गया।





शिविर में बेचलर ऑफ नेचुरोपेथी एण्ड योगिक साइन्सेस (बीएनवाईएस), स्नातकोत्तर एम. डी. के विद्यार्थी, शिक्षकगण तथा चिकित्सकों ने हर्षोल्लास के साथ भाग लेते हुए सेवा भाव से सभी रोगीयों की चिकित्सा की गयी।

इस निसर्गोपचार महोत्सव के अर्न्तगत विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया गया था। इनमें नेचुरोपैथी योग चिकित्सा के बारे में संगोष्ठी, प्राकृतिक आहार उत्सव और विशेष रूप से योग और प्राकृतिक चिकित्सा के बारे में परामर्श तथा चिकित्सा दिया गया। सभी परामर्श तथा चिकित्सा नि:शुल्क रूप से दिया गया जिसमें 400 से अधिक लोग लाभान्वित हुए। आयोजित किये हुए संगोष्ठी तथा प्राकृतिक आहार उत्सव में 700 से अधिक लोगों ने भाग लिया।

योग और प्राकृतिक चिकित्सा आज के जीवन में अधिक महत्वपूर्ण रखता है। सुभारती में इस अद्भुत चिकित्सा पद्धति के लिए अंतराष्ट्रीय स्तर पर सेवायें उपलब्ध है।

नेचुरोपैथी एण्ड योगकि साइन्सेस कॉलेज के प्राचार्य डा. अभय एम शंकरगौडा ने बताया की जिस प्रकार प्राकृतिक चिकित्सा के लिये लोगों में जागरूकता बड़ी है, उसे बढ़ावा देते हुये सुभारती में अंतराष्ट्रीय स्तर पर चिकित्साओं को सुसज्जित किया है।

उन्होंने बताया कि वर्तमान समय में रोजमर्रा के रोगों के अलावा कैंसर, ह्रदय रोग, मानसिक रोग, मधुमेह आदि विभिन्न प्रकार की बीमारियों ने हर इंसान को जकड़ रखा है इन सभी बीमारियों से प्राकृतिक चिकित्सा एवं योग के माध्यम से छुटकारा पाया जा सकता है।

उन्होंने बताया कि प्राकृतिक चिकित्सा ऐसी प्राचीन चिकित्सा पद्धति है जो हजारों सालों से ऋषि मुनियों एवं वैधों के द्वारा मानव जाति को स्वास्थ्य लाभ देने के लिए अब वैज्ञानिक तरीके से प्रयोग की गई चिकित्सा है जो बिना कोई हानि पहुंचाएं हमारे शरीर को सुख एवं स्वास्थ्य प्रदान करती है।

इस नि:शुल्क शिविर के भव्य सफलता के लिए विश्वविद्यालय के कुलपति वी पी सिहं तथा मुख्य कार्यकारी अधिकारी डा. शल्या राज सुभारती हॉस्पिटल के साहयक चिकित्सा अधिक्षक डा. कृष्णामूर्ति और अन्य गणमान्य अधिकारियों ने बधाई दी।



Maharishi Aurobindo Subharti College & Hospital of Naturopathy & Yogic Sciences, Faculty of AYUSH
Swami Vivekanand Subharti University, Meerut

IN THE NEWS



सुभारती में निसर्गोपचार महोत्सव संपन्न

मेरठ। राष्ट्रीय प्राकृतिक संस्थान पुणे के सहयोग से महर्षि अरबिंदो सुभारती कॉलेज एंड हॉस्पिटल ऑफ नेचुरेपैथी एंड यौगिक साइन्सेस में जारी तीन दिवसीय निसर्गोपचार महोत्सव संपन्न हो गया। शिविर में बीएनवाईएस, स्नातकोत्तर एवं एमडी के छात्रों ने रोगियों का उपचार किया। शिविर में सात सौ से अधिक लोग शामिल हुए। प्राचार्य डॉ.अभय एम शंकरगौड़ा ने कहा कि प्राकृतिक चिकित्सा पूरी तरह से सुरक्षित है। इससे गंभीर बीमारियों से छुटकारा पाया जा सकता है।